* H N - 0 0 1 - 0 1 2 3 0 5 *

HN-001-012305 Seat No. _____

M. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

May/June - 2017

Hindi : EHN - 1003

(Tulnatmak Sahitya (Vyavharik-I) (New Course)

Faculty Code : 001
Subject Code : 012305

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(२) सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने दिए गए है।

१ ध्रुवस्वामिनी का चरित्र उज्जवल नारी का चरित्र है। ध्रुवस्वामिनी नामक दोनों रचनाओं के आधार पर चर्चा कीजिए। १४

अथवा

१ जयशंकर प्रसाद कृत 'ध्रुवस्वामिनी' एवं क.मा.मुन्शी कृत 'ध्रुवस्वामिनी देवी' में कल्पना और इतिहास का सुभग समन्वय हुआ है विस्तृत समीक्षा करके सिद्ध कीजिए। १४

२ प्रसादकृत 'ध्रुवस्वामिनी' एवं क.मा.मुन्शी कृत 'ध्रुवस्वामिनी देवी' में चित्रित नारी समस्या की समीक्षा कीजिए। १४

अथवा

२ 'ध्रुवस्वामिनी देवी' के लेखक क.मा. मुन्शी का साहित्यिक परिचय दीजिए। १४

३ नरेशमहेता एवं उमाशंकर जोशी कृत 'महाप्रस्थान' के कथानक की तुलना अपने शब्दों में कीजिए। १४

अथवा

३ उमाशंकर जोशी एवं नरेशमहेता के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए। १४

४ उमाशंकर जोशी रचित 'महाप्रस्थान' एवं नरेशमहेता रचित 'महाप्रस्थान' दोनों काव्यों के पात्रों की समीक्षा कीजिए। १४

अथवा

४ 'राज्यव्यवस्था और युद्ध मानव समाज के सनातन दुर्भाग्य रहे हैं। इस कथन के संदर्भ में उमाशंकर जोशी कृत 'महाप्रस्थान' एवं नरेश महेता कृत 'महाप्रस्थान' दोनों की समीक्षा कीजिए। १४

५ टिप्पणियाँ लिखिए : (किन्हीं **दो**) १४

(१) जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय।

(२) प्रसाद कृत 'ध्रुवस्वामिनी' की 'कोमा'।

(३) नरेश महेता कृत 'महाप्रस्थान' शीर्षक की यथार्थता।

(४) नरेश महेता कृत 'महाप्रस्थान' का अर्जुन।

———————